मूल्य 1 रु.
वर्ष: 10 - अंक : 117, मुंबई, मंगलवार, 7 जुलाई, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

दैनिक मुंबई हलचल

अब हर सच होगा उजागर

KANPUR SHOOTOUT

शिवसेना ने यूपी में अपराधियों के एनकाउंटर पर भी सवाल उठाया। पार्टी ने कहा कि योगी सरकार को आए तीन साल से ज्यादा समय हो गया। इस दौरान 113 से ज्यादा एनकाउंटर हुए लेकिन उनमें विकास दुबे कैसे छूट गया? दुबे पर लूट और डकैती के 60 से ज्यादा गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं लेकिन वह सबूतों के अभाव में कैसे बच गया?

मुंबई/कानपुर। महाराष्ट्र में सत्ताधारी शिवसेना उत्तर प्रदेश की बीजेपी सरकार पर एक बार फिर हमलावर है। इस बार कानपुर शूटआउट को लेकर शिवसेना ने यूपी की योगी सरकार के खिलाफ हमला बोला है। प्रदेश में कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए पार्टी ने कहा कि यूपी में कानून के नहीं गुंडों के हाथ लंबे हैं। अगर यह जारी रहा तो घर-घर से अफजल का पता नहीं लेकिन हर घर से विकास दुबे जरूर निकलेगा। शिवसेना ने पार्टी के मुखपत्र सामना के संपादकीय में अपने चिर-परिचित अंदाज में योगी सरकार पर हमला बोला।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

शिवसेना का तंज

अफजल का नहीं पता, यूपी में निकल सकता है...

'घर-घर से विकास दुबे'

'कानून के नहीं, यूपी में गुंडों के हाथ लंबे'

महाराष्ट्र में कल से खुलेंगे होटल, गेस्ट हाउस और लॉज

होटल मतलब ठहरने वाले होटल, रेस्टोरेंट के लिए अभी नहीं आया है कोई आदेश

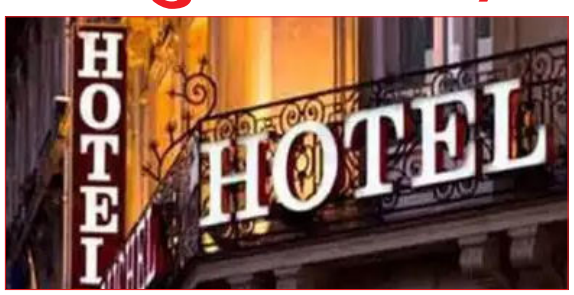

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने लॉकडाउन के बाद 'मिशन बिगिन अगेन' के तहत होटल, गेस्ट हाउस और लॉज को शर्तों के साथ खोलने की अनुमति दे दी है। हालांकि, यह स्पष्ट कहा गया है कि होटल का मतलब ठहरने वाला होटल है। अभी रेस्टोरेंट के लिए कोई आदेश नहीं आया है। आदेश के मुताबिक, 8 जुलाई से कंटेनमेंट जोन के बाहर स्थित होटल, गेस्ट हाउस और लॉज खोले जा सकते हैं। राज्य सरकार की ओर से जारी आदेश के अनुसार, जो होटल कंटेनमेंट जोन के बाहर हैं, वहां पर 33 फीसदी लोगों को रहने दिया जा सकता है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सुधार के संकेत

करीब 20 दिनों के भारी तनाव के बाद चीन की मनमानी में आई नरमी खुशी का मौका न सही, एक बेहतर संकेत तो है ही। गलवान में विवादित जगह से अपना अस्थाई तंबू लेकर करीब एक किलोमीटर या ज्यादा पीछे जाने की चीनी पहल एक ऐसा समाचार है, जिसका इंतजार भारत ही नहीं, दुनिया को था। यह स्वीकार करने में कोई हर्ज नहीं कि भारत की ओर से डाले गए चौतरफा दबाव की वजह से चीन ने कुछ नरमी दिखाई है, पर इस एक नरमी की वजह से अभिभूत नहीं होना चाहिए। समाधान के लिए अनेक दौर की सैन्य स्तरीय वार्ता के बाद हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को भी आगे आना पड़ा है। अब चीन की ओर से कोशिश दिख रही है कि हालात को और बिगड़ने से रोका जाए। हालांकि अभी विवाद का समाधान नहीं हुआ है और चीन की यह कार्यवाही दुनिया को दिखाने के लिए भी हो सकती है। अब तनाव वाली जगह से वह पीछे जाएगा और उसे ऐसा करना ही चाहिए, क्योंकि भारत अब इस स्थिति में नहीं है कि किसी देश की नाजायज मनमानी पचा जाए। भारत सरकार ने एकाधिक कदम चीन को यह संकेत देने के लिए उठाए थे कि अगर वह पीछे नहीं हटा, तो मजबूरन उसके खिलाफ फैसलों का सिलसिला चल पड़ेगा। भारत से मिले शुरुआती संकेतों को चीन यदि समझ गया है, तो यह जरूर खुशखबरी हो सकती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि चीन केवल अपने आर्थिक हितों को लेकर चिंतित है। उसे 1962 से पहले या उसके बाद भी भारत की ज्यादा परवाह कभी नहीं रही है और वह अपनी भारत संबंधी नीतियों या मंशा का इजहार पाकिस्तान के साथ दोस्ती निभाते हुए सतत करता रहा है। भारत में जब 59 एप पर पाबंदी लगी, जब अनेक ठेके रद्द हो गए, तब शायद चीन जागा है, हालांकि इसमें रूस की भी भूमिका बताई जा रही है। बहरहाल, भारत को अपने रुख का इजहार आर्थिक मोर्चे पर संकेत देते हुए करते रहना चाहिए। वह भारत में विभिन्न उत्पादों का सबसे बड़ा निर्यातक है। भारत के साथ उसका कारोबार उसके लिए बहुत फायदेमंद रहा है। चीन के लिए हमारे निर्यात की तुलना में भारत के लिए चीन का जो निर्यात रहा है, उसमें चीन को 60 अरब डॉलर से ज्यादा की बढ़त हासिल है। भारत में चीनी निर्यात में स्मार्टफोन, विद्युत उपकरण, पावर प्लांट उपकरण, उर्वरक, ऑटो पार्ट्स, तैयार स्टील उत्पाद, बिजली संयंत्रों के सामान, दूरसंचार उपकरण, मेट्रो रेल कोच, दवा सामग्री, रसायन, प्लास्टिक, इंजीनियरंग के सामान शामिल हैं। भारत से संबंध बिगड़ने से चीन में 20 से ज्यादा उद्योगों पर सीधी चोट पडेगी। मंदी से जूझ रहा चीन वाम-प्रेरित मनमानी के नशे के बावजूद अपने आर्थिक हित की चिंता जरूर करेगा। अब गलवान से यदि वह स्थाई तौर पर पीछे हटा है, तो भी हमें अपनी स्वाभाविक उदारता दिखाने की जल्दी नहीं करनी चाहिए। भूटान की जमीन पर भी उसका दावा चर्चा में है। चीन की नजर भूटान के सकटेंग इलाके पर है, जहां भूटान वन्यजीव अभयारण्य बनाना चाहता है। चीन ने तीसरे पक्ष (भारत) को भी चेतावनी देते हुए इस क्षेत्र को विवादित बताया है। सचेत रहना चाहिए, कोई साम्राज्यवादी पड़ोसी किसी इलाके को विवादित करार दे, तो इसका मतलब यह कतई नहीं कि हम या भूटान अपने-अपने इलाके को छोड़ दें। यह निर्णायक समय है। हमारी सुविचारित और संयमित दृढ़ता ही हमारा मार्ग प्रशस्त करेगी।

राजनीतिक उथलपुथल से ग्रस्त नेपाल

नेपाल में सरकार का बनना और गिरना एक खेल सा बन चुका है। यह खेल एक अर्से से चल रहा है और कहना कठिन है कि कब तक चलता रहेगा। पिछले चुनाव में केपी शर्मा ओली की पार्टी-नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) को 80 सीटें मिली थीं और पुष्प कमल दहल प्रचंड की पार्टी-नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) को 36 सीटें। मिलकर चुनाव लड़ने के बाद सरकार बनाने के लिए दोनों ने अपनी-अपनी पार्टी का विलय कर एक नई पार्टी बनाई, लेकिन प्रचंड आरंभ से ही ओली के कार्यों से खुश नहीं रहे। पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड चाहते हैं कि ओली जनसंवाद रखें और मिलकर फैसले लें, लेकिन ओली अपने ही हिसाब से चलना पसंद करते हैं। इसके चलते ही उनके खिलाफ असंतोष बढ़ता जा रहा है। गत दिनों जब ओली ने भारत पर आरोप लगाया कि वह उन्हें प्रधानमंत्री पद से हटाने की साजिश रच रहा है तो वह एक तरह से अपनी ही पार्टी के नेताओं को कठघरे में खड़ा कर रहे थे। हैरानी नहीं कि उनके इस आरोप के बाद नेपाल की राजनीति में तूफान उठ खड़ा हुआ। इस तूफान से ओली की कुर्सी डगमगा रही है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के ज्यादातर सदस्य प्रधानमंत्री ओली से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं, लेकिन ओली फिलहाल इस्तीफा देने के मूड में नहीं हैं। वह अपनी कुर्सी बचाने के लिए हर तरह के दांव चल रहे हैं। हालांकि ओली अपनी कुर्सी बचाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं, लेकिन लगता नहीं कि उनसे नाराज पुष्प कमल दहल, माधव नेपाल और अन्य वरिष्ठ नेता अपना रुख नरम करने वाले हैं। मौजूदा हालात यही बयान कर रहे हैं कि कम्युनिस्ट पार्टी में टूट लगभग तय है। ओली राजनीतिक रूप से इसलिए कमजोर दिख रहे हैं, क्योंकि सत्ताधारी पार्टी की स्टैंडिंग कमेटी के अधिकांश सदस्य उनके खिलाफ हो गए हैं। इस कमेटी के साथ ही सेंट्रल कमेटी में भी ओली का समर्थन घट गया है। प्रधानमंत्री ओली इस कोशिश में हैं कि यदि उनकी पार्टी टूट भी जाए तो वह अन्य दलों से मिलकर अपनी सरकार बना लें। ओली को लगता है कि उनकी सरकार को बचाने में चीन भी उनकी मदद करेगा।

ध्यान रहे हाल के समय में नेपाल में चीन का दखल बढ़ा है। चीनी राजदूत नेपाल के आंतरिक मामलों को सुलटाने के लिए सक्रिय रही हैं। ओली नेपाली जनता के बीच भी ऐसे आरोपों का सामना कर रहे हैं कि वह सत्ता के लालच में चीन की गोद में जाकर बैठ गए हैं। वह भारत से तो सीमा विवाद को लेकर तल्ख हैं, लेकिन चीन से सीमा विवाद के मामले में मौन साधे हुए हैं। ओली नेपाल के हितों की चाहे जितनी दुहाई दें, सच यह है कि नेपाली जनता के बीच उनकी लोकप्रियता तेजी के साथ घटती जा रही है। नेपाली लोगों की नजर में ओली देश हित की अनदेखी कर हर हाल में सत्ता सुख भोगना चाहते हैं। उनकी सरकार की नाकामी से नाराज लोग लगातार सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन ओली ऐसा दिखा रहे हैं जैसे उन पर इस सबका का को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। अन्य देशों की तरह नेपाल भी कोरोना महामारी से जूझ रहा है, लेकिन सरकार लोगों के उपचार की पर्याप्त व्यवस्था नहीं कर पा रही है। इससे भी लोग ओली सरकार से खफा हैं। वास्तव में ओली ने एक साथ कई मोर्चे खोलकर अपने लिए मुसीबत खड़ी कर ली है। एक तो उन्होंने भारत से सीमा विवाद को तूल दे दिया और फिर अपनी मनमानी से अपने लोगों को भी नाराज कर दिया। उनकी सरकार ने नेपाल का नया नक्शा जारी करके भारत को घेरने की जो कोशिश की उसे लेकर यही संदेश उभरा कि यह काम चीन के इशारे पर किया गया। ओली एक ओर कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा पर दावा कर रहे हैं और दूसरी ओर उन्होंने इस दावे के लिए सुबूत जमा करने के लिए नौ सदस्यों की एक समिति भी गठित कर दी है। सवाल उठ रहा है कि जब नेपाल इन क्षेत्रों पर अपना दावा कर रहा है तो फिर सुबूत तलाशने की क्या जरूरत आ गई? नेपाल के राजनीतिक विश्लेषक भी ओली सरकार के इस रवैये का विरोध कर रहे हैं। वे इस मसले को कूटनीति के जरिये हल करना चाहते हैं, लेकिन ओली इसके खिलाफ हैं। नेपाली संसद में हिंदी को प्रतिबंधित करने के लिए नेकपा-एमाले का सुप्रीम कोर्ट जाना भी नेपाल की तमाम जनता को रास नहीं आया है। नेपाल का मधेशी समुदाय यह मानता है कि यह भारत से दूरी बढ़ाने वाला एक और कदम है और इसके पीछे भी ओली की शह है। सबसे खराब बात यह हुई कि ओली सरकार मधेशियों को फिर से दोयम दर्जे का नागरिक बनाने की कोशिश करती दिख रही है। नेपाल में 15 साल पहले मधेशियों के आंदोलन के फलस्वरूप जो नागरिकता संबंधी कानून बना था और जिसे सभी पार्टियों ने मिलकर बनाया था, ओली सरकार उसमें फेरबदल करने की कोशिश में है। ओली सरकार चाहती है कि यदि कोई विदेशी महिला वह चाहे भारत की हो या अन्य देश की, किसी नेपाली नागरिक से विवाह करती है तो उसे नागरिकता सात वर्ष बाद दी जाएगी। यह एक तरह से मधेशियों का अपमान है। पहले नागरिकता मात्र छह महीने में मिल जाती थी। ओली और प्रचंड के बीच दूरियां इस कदर बढ़ गई हैं कि प्रचंड समर्थकों को यह लगने लगा है कि ओली उनके नेता पर भष्टाचार का आरोप लगाकर उन्हें जेल भिजवा सकते हैं। चूंकि ओली के समर्थक कम होते जा रहे हैं इसलिए उनकी कुर्सी बचना कठिन है। समस्या यह है कि ओली के हटने के बाद भी नेपाल के राजनीतिक हालात में सुधार के आसार कम हैं। फिलहाल जनता पशुपतिनाथ की ओर इस आस से निहार रही है कि वही देश की नैया पार लगाएं।

आकाशीय बिजली एक प्राकृतिक घटना

बीते सप्ताह उत्तर प्रदेश और बिहार के कई जिलों में आकाशीय बिजली गिरने से सैकड़ों लोगों की मौत हुई। मानसून के आरंभिक दौर में आकाशीय बिजली का प्रकोप पिछले कई दिनों से जारी है। दरअसल आकाशीय बिजली एक प्राकृतिक आपदा है जिससे बहुत नुकसान होता है। आकाशीय बिजली गिरने यानी वज्रपात के समय आसमान में विपरीत ऊर्जा के बादल हवा से उमड़ते-घुमड़ते रहते हैं और विपरीत दिशा में जाते हुए टकराते हैं। इससे होने वाले घर्षण से बिजली पैदा होती है। आसमान में किसी तरह का कंडक्टर न होने से यह बिजली कंडक्टर के लिए धरती पर पहुंचती है। जब यह आकाशीय बिजली लोहे के खंभों, पेड़ आदि के आसपास से गुजरती है तो वह कंडक्टर का काम करता है। और उस समय यदि कोई व्यक्ति या पशु उसके संपर्क में आता है तो उसकी जान जा सकती है।

आकाशीय बिजली से मारे जाने वालों में सबसे ज्यादा ग्रामीण क्षेत्रों के लोग और मवेशी होते हैं। यह भी ध्यान देने की बात है कि आकाशीय बिजली गिरने की घटना गृह मंत्रालय की आपदाओं की अधिसूची में शामिल नहीं है। वज्रपात से होने वाली मौतों की

तादाद लगभग 10 फीसद है। हर साल आसमानी बिजली की चपेट में आने से करीब तीन से साढ़े तीन हजार लोगों की मौत हो जाती है। दुनिया के बाकी देशों के मुकाबले भारत में खेतों या खुले में काम करने वाले लोगों की तादाद बहुत ज्यादा है। इससे यहां आसमानी बिजली की चपेट में आने वालों की तादाद बढ़ जाती है। आंकड़ों के अनुसार देश में वर्ष 1967 से 2016 तक प्राकृतिक आपदाओं में कुल जितने लोगों की मौतें हुई हैं, उनमें 39 फीसद वज्राघात से हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2014 में 2,582 लोग बिजली गिरने से मारे गये थे, जबकि 2013 में 2,833 लोग इसके शिकार हुए थे। कई देशों में बिजली गिरने की सूचनाएं एकत्र करने और इस घटना की समय रहते चेतावनी जारी करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था अर्थ नेटवर्क की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2019 में जनवरी से अगस्त तक भारत में करीब दो करोड़ बार आकाशीय बिजली चमकने की घटनाएं हुईं। इनमें से करीब डेढ करोड़ घटनाएं बादलों में ही हुई, जबकि बाकी बिजली धरती पर भी गिरी। सबसे ज्यादा ओडिशा में बिजली गिरने के करीब तीस लाख मामले सामने आए थे, इसके बाद पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तर प्रदेश में बिजली गिरने की घटनाएं हुई थीं। हालांकि इसमें जान-माल के नुकसान का आकलन नहीं दिया गया है। लेकिन जाहिर सी बात है कि इतनी बार वज्रपात की घटनाएं हुई हैं तो सैकड़ों लोगों और मवेशियों की हानि तो हुई ही होगी। अगर इसके पूर्व सूचना तंत्र की बात करें तो देश में आकाशीय बिजली चमकने और गिरने का पूवार्नुमान करने के लिए मौसम विभाग की ओर से गत वर्ष देश के चुनिंदा 20 जगहों में सेंसर ट्रैक प्रणाली स्थापित की गई।

बॉम्बे रेयान फैशन लिमिटेड कंपनी के कामगारो का वेतन न मिलने का कारण कंपनी के गेट पर शुरू हुवा आंदोलन

संवाददाता

बोईसर। तारापुर एम.आय.डी.सी के प्लाट नम्बर सी-7, स्थित बॉम्बे रेयान फैशन लिमिटेड के वर्करों और स्टाफ का वेतन जनवरी 2020 से नही मिला है कम्पनी से बार बार आग्रह करने पर भी वेतन नही मिला थक हार कर आखिर मजदूरों ने कम्पनी गेट पर धरना चालू कर दिया और अपने वेतन की माँग रखी। कल इस धरने का पांचवा दिन था अभी तक मजदूरों की मांग की कोई सुनवाई कम्पनी प्रबन्धन की तरफ से नही की गई है। ऐसे में वेतन नही मिलने से परेशान मजदूरों को इस कोरोना संकट में परिवार का भरण पोषण कैसे करे यह सबसे बड़ा सवाल है। मजदूरों से बातचीत करने पर धरना दे रहे मजदूरों ने कहा हम लोग शांतिपूर्ण तरीके से अपनी माँग रख रहे है अगर कम्पनी प्रबंधन हमारी माँग पर ध्यान नही दिया तो आंदोलन तेज करने की चेतावनी दिया। मजदूरों ने प्रशासन से हस्तक्षेप करने की माँग की और कहा बॉम्बे रेयान कम्पनी को आदेश दे मजदूरों का जनवरी से बकाया वेतन का भुगतान करने के लिए। यह आंदोलन और भी उग्र हो सकता है यदि मजदूरों के मांगों पर ध्यान नही दिया गया तो, जिसकी जिम्मेदारी कम्पनी प्रबंधन और प्रशासन की होगी।

लगातार हो रही बरसात से डंपिंग ग्राउंड का कचरा गिरा, आठ घर जमींदोज

मुंबई। लगातार बरसात के कारण मीरा-भाईंदर के कई इलाके जलमग्न हो गए, वही उत्तन क्षेत्र में डंपिंग ग्राउंड का कचरा गिरने से इलाके के आठ घर जमींदोज हो गए। हालांकि इन घरों में रहने वाले लोग समय रहते घर से बाहर आ गए, जिससे कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। घटना शनिवार रात करीब 10.30 बजे की है। स्थानीय नगरसेविका शर्मिला गंडोली के मुताबिक शुक्रवार से लगातार हो रही बरसात के कारण डंपिंग ग्राउंड में पड़ा कचरा धीरे-धीरे रिसने लगा, जिससे ये घटना घटी। डंपिंग ग्राउंड में 10 लाख

मीट्रिक टन से अधिक कचरा पड़ा है, जिसकी जमीन से ऊंचाई 50 से 100 मीटर तक है। पीड़ितों के अनुसार शनिवार की रात जब वे अपने घरों में सोने की तैयारी कर रहे थे, तभी डंपिंग ग्राउंड का कचरा घरों की छतों (पतरों के बने हुए) पर गिरने लगा। देखते-देखते कई टन कचरा गिरा, जिससे आठ घर जमींदोज हो गए। शर्मिला गंडोली के मुताबिक कचरे की डंपिंग में अनियमता बरती जा रही है। नियमों को ताक पर रखकर कचरे की डंपिंग होती है और स्थानीय लोगों की जान को खतरे में डाला जा रहा है। पीड़ित परिवारों ने मुआवजे की मांग की है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

शिवसेना का तंज...

पार्टी ने कहा कि घटना के बाद चौबेपुर पुलिस स्टेशन के प्रमुख विनय तिवारी को निलंबित कर दिया गया। इसकी जांच भी की जा रही है लेकिन कानपुर की घटना इस बात का प्रमाण है कि यूपी में गुंडों और पुलिस में 'मिलीभगत' है। संपादकीय में आगे कहा गया कि यूपी सरकार आरोपी के न मिलने पर उसके घर ध्वस्त कर रही है लेकिन प्रदेश में कई जगहों पर कुछ लोगों के वरदहस्त के नीचे गुंडे के जो घर बने हैं, अगर उन्हें पहले ही ध्वस्त कर दिया गया होता तो 2 जुलाई को यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना नहीं होती। शिवसेना ने कहा, 'विकास दुबे के घर के अवैध होने का गुप्त ज्ञान यूपी शासन को 8 पुलिसकर्मियों मौत के बाद होने से बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा? विकास दुबे जैसा गुंडा कार्रवाई के लिए पुलिसकर्मियों पर सीधे फायरिंग करके उनकी हत्या कर देता है, अपने गुर्गों के साथ भाग जाता है।' पार्टी ने आगे कहा कि कानून के बदले गुंडों के 'हाथ लंबे' होने के कारण वह ऐसा करने की हिम्मत कर पाया। अगर यह ऐसे ही जारी रहा तो 'घर घर से अफजल' निकलेगा क्या? यह तो पता नहीं लेकिन उत्तर प्रदेश में 'घर घर से विकास दुबे' निकल सकता है। शिवसेना ने यूपी में अपराधियों के एनकाउंटर पर भी सवाल उठाया। संपादकीय के जरिए पार्टी ने कहा कि योगी सरकार को आए तीन साल से ज्यादा समय हो गया। इस दौरान 113 से ज्यादा एनकाउंटर हुए लेकिन उनमें विकास दुबे कैसे छूट गया? दुबे पर लूट और डकैती के 60 से ज्यादा गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं लेकिन वह सबूतों के अभाव में कैसे बच गया? पुलिस ही उसकी गवाह कैसे बन जाती थी? क्या यूपी पुलिस और सरकार की सुविधानुसार एनकाउंटर की सूची तैयार की जा रही है? पार्टी ने कहा कि 2 जुलाई की घटना इन आरोपों की पुष्टि करती है। विकास दुबे को नेपाल का दाऊद साबित होने की आशंका का जिक्र करते हुए शिवसेना ने पड़ोसी देश की सीमाओं को लेकर भी चिंता जाहिर की। पार्टी ने कहा कि ऐसे मामलों में नेपाल की सीमा हमेशा हमारे लिए चिंता का विषय रही है। फिलहाल, हमारे संबंध नेपाल के साथ अच्छे नहीं है।

महाराष्ट्र में 8 जुलाई से खुलेंगे होटल...

इन जगहों पर जिन लोगों में कोई लक्षण नहीं है, केवल उन्हें ही जाने दिया जाएगा। सभी ग्राहकों की थर्मल स्क्रीनिंग अनिवार्य होगी और सेनेटाइजर की व्यवस्था करनी होगी। शर्तों के मुताबिक, गेस्ट और कर्मचारी दोनों को मास्क पहनना अनिवार्य होगा। अगर एसी का उपयोग करना है तो उसका तापमान 24 से 30 डिग्री के बीच रखना होगा। होटल को डिजिटल पेमेंट करने की सलाह दी गई है। गेस्ट के पास आरोग्य सेतु ऐप होना भी अनिवार्य है। बैठने की जगह पर भी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना होगा। अगर किसी होटल को क्वारंटीन सेंटर के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है तो उसका इस्तेमाल जारी रहेगा।

राजस्थान हलचल

केंद्र सरकार से आम जनता के कुछ सवाल

राजस्थान बीकानेर। जैसा कि पेट्रोल और डीजल के दाम रुकने का नाम नही ले रहे हैं। केंद्र सरकार गरीब जनता का तेल निकाल रही है।कोरोना काल मे काम काज ठप हो गए है। इसी बीच महंगाई और बेरोजगारी अपने उरूज पर है। किसान दिन प्रतिदिन आत्महत्या कर रहे हैं। लोगो को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही है। आम जनता 2 वक़्त की रोटी के लिए तरस रही है।ऊपर से कोरोना जैसी महामारी ने कमर तोड़ रखी है। लेकिन केंद्र सरकार और राज्य सरकार मीडिया पर आकर सिर्फ बड़े बड़े वादे कर रहे हैं। आम जनता के हालात से अवगत नही है। राज्य सरकार ने बिजली बोर्ड प्राइवेट कंपनियों को ठेके दे रखे है। जिससे वो मन चाहे बिल वसूल कर रहे हैं। आम जनता के पास के खाने के भी पैसे नही है वो बिजली के बिल कैसे जमा करवाएँगे। केंद्र सरकार की नीतियों ने विदेशी रिश्तों पर भी प्रभाव डाला है। चीन ने हमारे 20 सैनिक शहीद कर दिए।ओर हमारी जमीन गलवान घाटी पर कब्जा कर रखा है। लेकिन केंद सरकार इसपर पूरी तरह से खामोश है। मीडिया प्रोपगेंडा के तरत न्यूज प्रकाशित कर रहे हैं। आम जनता के मुद्दे को कोई मीडिया तरजीह नही दे रहा है। एक एक्टर के आत्महत्या करने पर पूरी मीडिया बौखला गई थी। लेकिन किसानों की हत्या पर खामोश है। कोरोना काल में स्कूल कॉलेज बंद होने के बाद भी कुछ स्कूल कॉलेज अभिभावकों से पैसे वसूल रहे हैं।

रामपुर हलचल

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म दिवस का दिन मण्डल के प्रत्येक बूथ पर मनाया गया

टाण्डा (रामपुर)। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म दिवस का दिन मण्डल के प्रत्येक बूथ पर मनाया गया कार्य कताओं ने डा० मुखर्जी के चित्र पर पुष्प मालाएं की अर्पित की गई तथा विभिन्न स्थानों पर कार्य कताओं को जानकारी देते हुए बताया श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने कश्मीर के विषय में एक विधान एक निशान का नारा भी दिया गया था जम्मू कश्मीर में ही अपना बलिदान दिया था केन्द्र सरकार ने उनके सपने को साकार कर कश्मीर से धारा 370 तथा 35 अ को हटाकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी गई हे साथ ही प्रत्येक बूथ पर मोदी जी सरकार के तीन वर्ष की उपलब्धियाँ गिनाकर पुस्तिकाओ को वितरित किया गया हे हजारो की सख्या में बुथो पर पोधे भी लगाये गये 6 जुलाई भारत माता के सुपुत श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती देश की ऐकता और अखंडता के लिए अपना बलिदान था श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी को हिन्दी से बहुत लगाव था सरस्वती पत्रिका में देश समाज और साहित्य के प्रति उनके योगदान रेखांकित करते हुए एक बड़ा लेख प्रकाशित हुआ था सरस्वती पत्रिका में लेख का शीर्षक नर केसरी श्यामा प्रसाद मुखर्जी दिया गया था जो हमेशा याद आते रहेंगे इस मोके पर भाजपा नगर अध्यक्ष योगेश सेनी पूर्व अध्यक्ष चन्द्रपाल सेनी, करन सिहं, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रताप सिंह चोहान, युवा मोर्चा के जिला मंत्री रोहित सेनी, तरुण सेनी, राजू सेनी, माखन लाल सैनी, नवल किशोर सेनी आदि मोजूद रहे।

फिल्म 'ये है मेरा वतन' के सातवें पोस्टर निकली लड़की, जिसके डायलॉग से आवाज आयी बेपनाह मोहब्बत की

लेखक, निर्माता, निर्देशक 'मुश्ताक पाशा' की फिल्म 'ये है मेरा वतन' के आज तक हमने जितने भी पोस्टर देखे हैं उनमे हमेशा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सामने वाले की जान लेने की कोशिश जाती रही है। अभी तक हम पोस्टर पर लिखे डायलॉग से कुछ ना कुछ कहानी बनाने की कोशिश कर ही रहे थे कदम दर कदम मंजिल की ओर बढ़ ही रहे थे रास्ते पर चलते जा रहे थे कि अचानक हमारे सामने एक टी पॉइंट आ गया जहाँ से या तो हम या तो लेफ्ट जा सकते थे, या फिर राइट, लेकिन तभी फिल्म के अगले पोस्टर के डायलॉग से एक लड़की की आवाज आती है। पर यहाँ पहले की तरह जान लेने नहीं बल्कि जान देने की आवाज है, फिल्म के सातवें पोस्टर का डायलॉग है ... 'कसम खुदा की आपके इंतजार में कभी हमारी जान निकल जाएगी' । ये आवाज है फिल्म के सातवें पोस्टर के किरदार की, इस पोस्टर में नजर आ रही हैं अभिनेत्री 'मृदुला महाजन' जिन्होंने इस फिल्म में 'फिदा' का किरदार निभाया है। फिल्म में अब तक कहानी की डायलॉग में ही बात हो रही थी वो भी तलवार, गोली, बन्दूक, बारूद और शोलों की लेकिन पहली बार फिल्म में शोलों के ऊपर शबनम बरसती दिखी, जैसे अचानक पतझड़ के बाद बहार आ गयी हो। इस फिल्म के पोस्टरों से नफरत पैदा करने वाले डायलॉग के बाद अचानक बेपनाह मोहब्बत वाले डायलॉग ने फिल्म की कहानी को लेकर और भी कौतूहल पैदा कर दिया है, अब पता नहीं अगले पोस्टर से क्या निकलता है? अब तो बस इंतजार है अगले पोस्टर का, अब देखते हैं फिल्म के डायरेक्टर हमें कहानी का कौन सा चौराहा दिखाते हैं।

एलएसी पर सेना का मूवमेंट आसान

बीआरओ ने रिकॉर्ड 3 महीने में लेह के पास 3 पुल बनाए, चीन के विरोध पर कहा- फर्क नहीं पड़ता, हम अपना काम करते हैं

लद्दाख। बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) ने रिकॉर्ड समय में लेह के पास 3 पुलों को बनाया है। इन्हीं पुलों के जरिए लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर भारत-चीन में चल रहे टकराव के दौरान सेना के टैंकों को सीमा तक आसानी से पहुंचाने मदद मिली थी। बीआरओ के एक अधिकारी ने बताया कि हमने इन पुलों को एनएच-1 के केएम-397 पर तैयार किया है। इन्हें रिकॉर्ड 3 महीने में बनाया गया है। खबर के अनुसार, सड़क निर्माण पर चीन के विरोध के बारे में पूछे जाने पर बीआरओ के एजीक्यूटिव इंजीनियर बी किशन ने कहा कि बीआरओ को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमें जो भी असाइनमेंट दिए जाते हैं, हमारा फोकस सिर्फ उन पर ही होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अचानक लद्दाख का दौरा किया था। पोस्ट पर जवानों से मिले, उनका हौसला बढ़ाने के लिए स्पीच दी थी। इसके अलावा लेह के मिलिट्री अस्पताल में भी उन्होंने गलवान झड़प में घायल सैनिकों से मुलाकात की थी।

चीन की सेना सीमा से पीछे हटी: गलवान की झड़प के 20 दिन बाद चीन लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर 2 किलोमीटर पीछे हट गया है। उसने टेंट और अस्थाई निर्माण हटा लिए हैं। हालांकि, गलवान के गहराई वाले इलाकों में चीन की बख्तरबंद गाड़ियां अब भी मौजूद हैं। लद्दाख में भारत-चीन के बीच 4 पॉइंट्स पर विवाद है। ये पॉइंट- पीपी-14 (गलवान रिवर वैली), पीपी-15, हॉट स्प्रिंग्स और फिंगर एरिया हैं। भारतीय सेना सभी पॉइंट पर नजर रख रही है।

महाराष्ट्र सरकार और यूके इंडिया बिजनेस काउंसिल में समझौता

मुंबई। यूके इंडिया बिजनेस काउंसिल ने आज महाराष्ट्र सरकार के मुख्य औद्योगिक अवसंरचना विकास एजेंसी- महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमआईडीसी) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यूके इंडिया बिजनेस काउंसिल और महाराष्ट्र सरकार के मध्य की यह व्यवसायिक रूपरेखा, राज्य को अपने व्यापारिक वातावरण को पूरी सक्रियता से बेहतर बनाने और ब्रिटिश व्यवसाय के साथ सहयोग को मजबूत करने में मदद करेगी। डॉ. पी अनबालगन- एमआईडीसी के सीईओ और श्री केविन मैकोल- प्रबंध संचालक, यूकेआईबीसी के हस्ते, श्री बी वेणुगोपाल रेड्डी-प्रमुख सचिव, उद्योग, महाराष्ट्र सरकार, एलन जेम्बेल- हर मेजेस्टीज ट्रेड कमिश्नर, दक्षिण एशिया, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विभाग और महाराष्ट्र में यूके के प्रमुख निवेशकों की श्रृंखला के उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। श्री केविन मैकोल-प्रबंध संचालक, यूकेआईबीसी ने अवसर में कहा की, मैं भारत में सबसे अधिक व्यापार के अनुकूल राज्यों की सरकार के साथ हमारे पहले से मजबूत संबंधों को बढ़ाने बहुत खुश हूं। हमने एक साथ पहले ही एक बहुत कुछ हासिल किया है और आज के इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से हमारी साझेदारी एक अलग मुक्काम पर पहुंचेगी। मुझे लगता है की, यह अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि जब हमारी अर्थव्यवस्था और समाज कोविड -१९ महामारी से उभरेगा, यूके और भारत के मध्य व्यापारिक विस्तार, निवेश और सहयोग की आवश्यकता केवल बढ़ेगी। बी वेणुगोपाल रेड्डी-प्रमुख सचिव (उद्योग) ने व्यवसायों को संबोधित करते हुए कहा की, महाराष्ट्र राज्य गतिविधियों में विविधता एवम विस्तार करने और अभियांत्रिकी घटकों पर जोर देने, पूंजीगत माल और उद्योग ४.० के निर्माण से यूके के साथ अपने व्यवसायिक संबंधो को मजूबत करने के लिए तत्पर है। यूके का महाराष्ट्र के लिए आर्थिक और सामाजिक योगदान,भविष्य में उनकी निवेश योजनाएं, अर्थव्यवस्था को फिर से विकसित करने के लिए राज्य सरकार की योजनाएँ और श्री मोदी को अपने आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के महत्व पर केंद्रित चर्चा। डॉ. पी अनबालगन- सीईओ, एमआईडीसी ने कहा की, एमआईडीसी महाराष्ट्र और यूके के बीच बढ़ते संबंधों की जीविका के प्रति अपने दृढ़ संकल्प को दोहराता है। यूकेआईबीसी के साथ समझौता ज्ञापन, महाराष्ट्र में रणनीतिक निवेश योजनाओं को तेज करने की दिशा में उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने वाले यूके व्यवसायों के लिए हमारे स्थायी समर्थन को दर्शाता है। एलन जेम्बेल-हर मेजेस्टीज ट्रेड कमिश्नर, दक्षिण एशिया, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विभाग ने इस समझौता ज्ञापन पर बात करते हुए कहा की, मैं खुश हु की यूके व्यवसाय यह देख रहे कि हम और क्या कर सकते हैं, जिससे मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र सरकार के अभिलाषाओं को सहारा मिल सके। शहर को सहारा देने के लिए बैंकिंग से लेकर इन्शुरेंस सेवाओं तक, संरचना का विकास, यूके के व्यवसाय यहाँ लंबे समय से भागीदार रहे हैं। आज का समझौता ज्ञापन सरकार के लक्ष का समर्थन करता है जैसे, व्यापार करने के लिए आसानी में सुधार, भारत और महाराष्ट्र को ब्रिटिश कंपनियों के लिए और भी आकर्षक जगह बनाना।

विकास की इनामी राशि बढ़ाकर 2.5 लाख की

गैंगस्टर की नेपाल समेत 3 राज्यों में तलाश, पुलिस ने बॉर्डर और टोल प्लाजा पर पोस्टर लगवाए

कानपुर। 8 पुलिसवालों की हत्या करने वाला हिस्ट्रीशीटर विकास दुबे पर अब ढाई लाख का इनाम घोषित किया गया है। सोमवार को कानपुर रेंज के आईजी मोहित अग्रवाल की सिफारिश पर डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने इनामी राशि बढ़ाई। शुक्रवार को उस पर 50 हजार का इनाम रखा गया था। शनिवार रात आईजी ने एक लाख रुपए इनाम किया था। फिलहाल, पुलिस वारदात के 72 घंटे के बाद भी विकास को पकड़ नहीं सकी है। विकास की तलाश में उत्तर प्रदेश के अलावा राजस्थान, मध्य प्रदेश और नेपाल में पुलिस टीमें तलाश कर रही हैं। उसकी गिरफ्तारी के लिए कानपुर मंडल की 60 और बाकी 30 टीमें लखनऊ स्तर से रवाना की गई हैं, जो बीहड़ों से लेकर नेपाल बॉर्डर पर कॉम्बिंग कर रही हैं। पुलिस ने विकास के पोस्टर भी नेपाल बॉर्डर और टोल प्लाजा पर चस्पा कराए हैं।

90 पुलिसवालों के मोबाइल जब्त

सूत्रों की मानें तो मामले की जांच कर रही एसटीएफ ने चौबेपुर के अलावा शिवली, शिवराजपुर और बिल्हौर थाने के 90 पुलिसकर्मियों के मोबाइल जब्त किए हैं। आईजी मोहित अग्रवाल ने बताया कि जो भी घर का भेदी होगी, उसके खिलाफ अपराधी जैसा बर्ताव होगा। इससे पहले शनिवार को प्रशासन ने विकास दुबे के बिकरु गांव वाले घर को उसी जेसीबी से ढहा दिया था, जिससे उसने पुलिस का रास्ता रोका था। विकास दुबे के घर से 6 तमंचे, 25 कारतूस ओर 2 किलो विस्फोट, कील, 15 जिंदा बम मिले हैं। शनिवार सुबह ही पुलिस ने विकास के खास गुर्गे दयाशंकर अग्निहोत्री को एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार किया था। यह इस हत्याकांड में पहली गिरफ्तारी थी। उस पर 25 हजार का इनाम था। उसने पुलिस को बताया कि विकास ने जिस बंदूक से फायरिंग की, वह मेरे नाम है। उसने यह दावा भी किया कि पुलिस की दबिश से पहले विकास के पास एक फोन आया था। इसके बाद हमले की प्लानिंग की गई।

दो घंटे की पूछताछ के बाद विकास और उसके भाई पर लखनऊ में केस

लखनऊ विकास प्राधिकरण विकास के लखनऊ के कृष्णानगर और इंद्रलोक कॉलोनी स्थित मकान की भी जांच कर रही है। रविवार को मकान की नपाई की गई। वहीं, देर शाम एसटीएफ की टीम ने विकास की मां सरला और परिवार के लोगों से पूछताछ की।

कोरोना के खिलाफ जंग में टाटा ग्रुप ने बीएमसी को दिए 10 करोड़, 20 एंबुलेंस और 100 वेंटिलेटर्स

मुंबई। सदी की सबसे बड़ी त्रासदी माने जा रहे कोरोना संक्रमण ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया है। भारत में 7 लाख से ज्यादा लोग कोरोना पॉजिटिव हैं। डर के इस माहौल में कई बिजनेस घराने मदद को आगे आए हैं। इनमें टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन रतन टाटा काफी आगे हैं। कोरोना काल में मुंबई बीएमसी और टाटा ग्रुप मिलकर प्लाज्मा प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इसी प्रोजेक्ट के तहत टाटा ग्रुप ने बीएमसी को 10 करोड़ रुपये के साथ 100 वेंटिलेटर्स के साथ 20 एम्बुलेंस की मदद की है। सीएम उद्धव ठाकरे ने टाटा ग्रुप की तारीफ करते हुए कहाँ के कोरोना के संकट में समाज के कई स्तर से मदद मिल रही है ऐसे टाटा ग्रुप जैसे बडी संस्था जब मदद करती है तो हौसला और बढ़ जाता है हम कोरोना की लढाई जरूर जीतेंगे। वहीं इस कोरोना काल में मुंबई बीएमसी और टाटा ग्रुप मिलकर प्लाज्मा प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इसी प्रोजेक्ट के तहत टाटा ग्रुप ने बीएमसी को 10 करोड़ रुपये के साथ 100 वेंटिलेटर्स के साथ 20 एम्बुलेंस की मदद की है।

मरीजों के खाने का किया इंतजाम: कोरोना को कंट्रोल करने के लिए देश के सभी अस्पतालों में डॉक्टर, नर्स और अन्य मेडिकल कर्मी दिन-रात काम कर रहे हैं। वे अपने जीवन और परिवार की परवाह छोड़कर इस मुहिम में जुटे हुए हैं। इंफेक्शन का डर इतना है कि वे घर तक नहीं जा रहे हैं। ऐसे में उनको दो वक्त का खाना भी ठीक से नसीब नहीं हो रहा है। इन हालात में टाटा ग्रुप के ताज होटेल ने मुंबई में मेडिकल कर्मियों, मरीजों के लिए खाने का प्रबंध किया है।

पहले भी 1500 करोड़ रुपये की मदद का किया ऐलान

रतन टाटा के किसी आपदा में दान का यह पहला मामला नहीं है, इससे पहले भी वे मदद के लिए आगे आते रहे हैं। इससे पहले टाटा ट्रस्ट ने कोरोना से निपटने के लिए 500 करोड़ का ऐलान किया था। टाटा ग्रुप के चेयरमैन रतन टाटा ने कहा कि इसके लिए इमर्जेंसी रिसोर्स की जल्द से जल्द आपूर्ति होनी चाहिए। वहीं मार्च माह में टाटा ग्रुप के बाद टाटा सन्स ने 1000 करोड़ रुपये का ऐलान किया था। कुल मिलाकर अब तक 1500 करोड़ रुपये की घोषणा की जा चुकी है।

चीनी राजदूत कितनी पावरफुल?

नेपाल के पीएमओ से लेकर आर्मी हेडक्वार्टर तक होउ यांगकी की पहुंच, भारत-नेपाल सीमा विवाद के पीछे भी इनका ही अहम रोल

काठमांडू। चाइनीज डिप्लोमैट होउ यांगकी को नेपाल में सबसे पावरफुल विदेशी डिप्लोमैट माना जा रहा है। नेपाल के प्रधानमंत्री के दफ्तर से लेकर आर्मी हेडक्वार्टर तक उनकी सीधी पहुंच है। नेपाल के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ पूर्णचंद्र थापा उनके करीबी माने जाते हैं। 13 मई को चीन की एम्बेसी में एक डिनर हुआ था। इसमें थापा चीफ गेस्ट थे। राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी, टूरिज्म मिनिस्टर योगेश भट्टराई भी यांगकी से मिलते रहे हैं। कोविड-19 से निपटने के लिए चीन ने जो कन्साइमेंट नेपाल को सौंपा था। उसे जनरल थापा ने ही रिसीव किया था। नेपाल के नए नक्शे और भारत-नेपाल सीमा विवाद में भी यांगकी की भूमिका अहम मानी जा रही है। नक्शा विवाद के अलावा अब यांगकी ओली सरकार की मुसीबतें कम करने में लगी हुई हैं। शुक्रवार को उन्होंने राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी से मुलाकात की थी। भंडारी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) की नेता रह चुकी हैं। रविवार को यांगकी पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल से मिलने उनके घर पहुंची थीं। अप्रैल के शुरूआत में जब नेपाल में कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे थे, तब चाइनीज डिप्लोमैट ने ही टेलीफोन पर नेपाल की राष्ट्रपति और चाइनीज प्रसीडेंट शी जिनपिंग की बात करवाई थी। यहीं नहीं 27 अप्रैल को चीनी दूतावास ने एक बयान जारी कर नेपाल की जनता को भरोसा दिलाया था कि कोरोना महामारी से लड़ने के लिए चीन हर कदम पर नेपाली नागरिकों की मदद करेगा।

भारतीय मीडिया के विरोध के बाद दी थी सफाई: पिछले हफ्ते जब भारतीय मीडिया ने होउ को नक्शा विवाद में शामिल होने का आरोप लगाते हुए खबरें की थीं, तो होउ ने नेपाल के प्रमुख डायरीज द रायजिंग नेपाल और गोरखपत्र को 1 जुलाई को एक लंबा चौड़ा इंटरव्यू दिया था। जिसमें उन्होंने कालापानी सीमा विवाद पर सफाई देते हुए कहा कि कुछ मीडिया समूह लोगों को भड़काने का प्रयास कर रहे हैं। कालापानी नेपाल और भारत के बीच का मुद्दा है। उन्होंने इसमें चीनी दखल होने से साफ इनकार कर दिया था।

मई में बचाई थी ओली सरकार: मई के पहले हफ्ते में भी ओली की कुर्सी जाने वाली थी। तब भी होउ यांगकी एक्टिव हुई थीं। उन्होंने ओली के मुख्य विरोधी पुष्प कमल दहल प्रचंड से मुलाकात की थी। कई और नेताओं से भी मिलीं। किसी तरह ओली की सरकार तब बच गई थी। इस बार परेशानी ज्यादा है। इसकी वजह ये है कि स्टैंडिंग कमेटी के 40 में 30 मेंबर प्रधानमंत्री से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

साइकिल पर सवार होकर निकले राजद नेता, सरकार पर बोला जोरदार हमला

समस्तीपुर। आरजेडी के स्थापना दिवस के मौके पर समस्तीपुर में राजद कार्यकर्ता साइकिल पर सवार होकर निकले हैं। जिला अध्यक्ष राजेंद्र साहनी ने महंगाई सहित अन्य मुद्दों पर केंद्र से लेकर राज्य सरकार पर जोरदार हमला बोला है राजद कार्यालय पटेल मैदान स्थित कपूरी आश्रम से निकले जिला अध्यक्ष के साथ उनके कार्यकर्ता भी मौजूद हैं। राजेन्द्र साहनी ने बिहार में विधानसभा चुनाव के पहले जबरदस्त हुंकार भरते हुए कहा है कि जनता को कोरोना वायरस परेशानियां झेलनी पड़ी है। उसका जवाब वह वोट से देगी। राष्ट्रीय जनता दल आज अपना 23वां स्थापना दिवस मना रहा है। 5 जुलाई 1997 को जनता दल से अलग होने के बाद लालू यादव ने राष्ट्रीय जनता दल की स्थापना की थी। स्थापना दिवस के मौके पर आज कोरोना संक्रमण को देखते हुए कोई बड़ा आयोजन नहीं किया जा रहा है लेकिन

जिला अध्यक्ष ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं से अपील की है कि वह पेट्रोल और डीजल की बढ़ी कीमतों को देखते हुए साइकिल चलाकर विरोध जताएं।राजेन्द्र साहनी ने स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को सोशल मीडिया के जरिए अपनी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था। साहनी ने कहा था कि उनकी पार्टी बिहार में सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे रखेगी और गरीबों को कोरोना काल में आ रही मुश्किलों के बीच पार्टी का हर नेता और कार्यकर्ता मददगार बनेगा। मजदूरों को दाने-दाने से मोहताज करने वाली सरकार पेट्रोल-डीजल का रेट बढ़ा, किसके लिए तिजोरी भर रही है? तानाशाही जनविरोधी सरकार को झुकायेंगे। हर पंचायत से विरोध का बिगुल बजाएंगे। स्थापना दिवस के अवसर पर आरजेडी डीजल और पेट्रोल के मूल्यों में बेतहाशा वृद्धि, दिन प्रति दिन बढ रही महंगाई, राज्य की बदहाल विधि व्यवस्था, किसानों की परेशानी, बढती बेरोजगारी, आर्थिक बदहाली, कोरोना महामारी के प्रति सरकारी लापरवाही, घर लौटे मजदूरों के सामने बाहर जाने की मजबूरी, सभी क्षेत्रों में सरकार की विफलता के खिलाफ साइकिल जुलुस निकाल रही है। सभी जिला मुख्यालयों, प्रखंड मुख्यालयों, सभी पंचायतों, गांव, टोला और वार्ड में राजद कार्यकर्ता साइकिल जुलूस निकाल अपना विरोध जताया।

गुरु की पूजा से मिलती है सच्चा ज्ञान: स्वर्णिमा

समस्तीपुर। जिले के खानपुर प्रखंड क्षेत्र के चकोटी मठ स्थित श्री0 श्री0 1008 रामजानकी मंदिर परिसर में आज गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम आकेयोजित कर लोगों के बीच गुरु के महत्व को बताया गया। इस कार्यक्रम में जिले भर के श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में महंथ राम सेवक दास गुरु की भूमिका निभा रहे थे।जबकि अन्य साधुगण कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरी सहयोग कर रहे थे। सैकड़ों की संख्या में भक्त जन पंक्तिवद्ध होकर बाबा का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे थे। इस अवसर पर

उपस्थित भक्त जनों को सम्बोधित करते हुए जिलापार्षद स्वर्णिमा सिंह ने कहा कि गुरु के बीना सच्चा ज्ञान प्राप्त नहीं हो सकता और ज्ञान के बीना जीवन की वैतरणी पार करना असंभव है। अतः गुरु की कृपा जिसपर हो जाय उनकी जिंदगी का बेरा पार लग जाता है। इसीलिए हमें गुरु की अहमियत को समझना चाहिए और हृदय से उनका सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा वर्तमान समय में समाज में गुरु की महत्ता को समझने में कमी आयी है जिसका परिणाम है कि आज समाज में ईर्ष्या,द्वेष, वेमश्नुषता का माहौल पनप रहा है। उन्होंने बताया कि एक आदर्श समाज की स्थापना के लिए गुरु की आशीर्वाद प्राप्त करना आवश्यक है। कार्यक्रम में श्रीमती इन्द्रकला देवी,श्री वैद्यनाथ राय के द्वारा गुरु की महत्ता पर प्रवचन दिया गया जिसे सुन भक्त झूम उठे।

शाहनवाज आलम को तुरंत रिहा किया जाए

जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग जिला चेयरमैन चौधरी शमसुद्दीन एवं प्रभारी जनाब खालिद खान साहब इस ज्ञापन के माध्यम से आपका अवगत कराना चाहते हैं नंबर 1 उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश चेयरमैन शाहनवाज आलम को लखनऊ कार्यालय से निकलते वक्त पुलिस ने गिरफ्तार किया जोकि पूरी तरह से गलत है शाहनवाज आलम को तुरंत रिहा किया जाए नंबर दो कानपुर में पुलिसकर्मियों पर विकास दुबे और उसके साथियों ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को गोली से मार डाला उत्तर प्रदेश में गुंडाराज चरम सीमा पर है उत्तर प्रदेश के ऐसी सरकार को तुरंत बर्खास्त किया जाए नंबर 3 कानपुर में हुए शहीद पुलिसकर्मियों के परिवार वालों

को पांच करोड़ की सहायता राशि तथा परिवार के दो सदस्यों को सरकारी नौकरी पर रखा जाए नंबर 4 भारत सरकार के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करते हैं कि पूरे भारत में जितने भी स्कूल है उनमें पढ़ रहे बच्चों की पूरे साल की फीस अभिभावकों के बैंक खातों में डलवाई जाए ताकि अभिभावकों को राहत की सांस मिल सके ज्ञापन देने वालों में पंडित नवनीत नागर मोहम्मद हाशिम गुलजार चौहान राहत अली जियाउद्दीन गुड्डू जसारत खान राजा ठाकुर अवनीश काजला गौरव भाटी युगांश राणा प्रदेश सचिव सलीम अख्तर जावेद अंसारी डॉक्टर यूनुस बैग जुबेर अहमद मनजीत सिंह को छोड़ अखिल कौशिक वसीम सैफी लुकमान मलिक आरिस रिजवी समीर आदि उपस्थित थे।

समस्तीपुर हलचल

शहीद अमन कुमार की पत्नी को राज्य सरकार ने दिया नौकरी

समस्तीपुर। सामान्य प्रशासन विभाग बिहार पटना के संकल्प के द्वारा निदेशक, सैनिक कल्याण निदेशालय के पत्र के आलोक में भारत चीन लद्दाख सीमा पर हुई झड़प में शहीद जवानों के परिवार के एक सदस्य को बिहार सरकार के अधीन नियुक्ति करने का आदेश निर्गत किया गया है। उक्त आदेश के आलोक में समस्तीपुर जिला मोहिउद्दीन नगर प्रखंड के सुल्तानपुर गांव के शहीद अमन कुमार की पत्नी श्रीमती मीनू कुमारी को समाहरणालय संवर्ग में निम्न वर्गीय लिपिक के पद पर नियुक्त करते हुए आज दिनांक 06.07.2020 को जिला पदाधिकारी महोदय द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। श्रीमती मीनू को अंचल कार्यालय, मोहिउद्दीन नगर में पदस्थापित किया गया है।

मतदान केंद्रों का किया गया भौतिक सत्यापन

खानपुर। पैक्स निर्वाचन 2020 के मध्यनजर प्रखण्डक्षेत्र के मतदान केंद्र का भौतिक सत्यापन व निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं एवं जनता के सहजता के साथ मतदान करने हेतु आने वाले लोगों का सोशल डिस्टेंशन मेंटन करने के उद्देश्य से जायजा लिया। बता दें कि मतदाताओं की संख्या अधिक है वहाँ सोशल डिस्टेंशन मेंटन करने के ख्याल से 400 से 450 मतदाता पर एक मतदान केंद्र बनाना है।साथ हीं आम आवाम एवं मतदान कर्मियों के लिए सुलभ यातायात हेतु सड़क, विजली,पानी, रेम्प,छाया,शौचालय आदि उपलब्ध हो सके, इसका ध्यान रखना है। इसी परिप्रेक्ष्य में आज दिनमानपुर दक्षिणी पंचायत के चिन्हित मतदान केंद्रों की जांच की गई है। मौके पर प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी रितेश कुमार झा, शिक्षक लाल बाबू, प्रखण्ड निर्वाचन कर्मी दिलीप कुमार राम आदि उपस्थित थे।

विधानपार्षद राणा गंगेश्वर सिंह के पुत्र के आकस्मिक निधन पर जद यू कार्यकर्ता में शोक कि लहर

समस्तीपुर। विधानपार्षद राणा गंगेश्वर सिंह के सुपुत्र सह जदयू के जिला महासचिव राणा राजीव सिंह के आकस्मिक निधन से पूरा जदयू परिवार शोकाकुल है। जदयू नेताओं ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निधन से पार्टी को अपूर्णीय छति हुई है। ईश्वर उनके आत्मा को शांति प्रदान करे और परिवार के लोगो को दुख सहने की शक्ति दे। दुख की इस घड़ी में पूरी पार्टी राणा गंगेश्वर सिंह जी के साथ खड़ी है। शोक संवेदना व्यक्त करने वालो में जिला अध्यक्ष अश्वमेघ देवी प्रदेश महासचिव डॉ दुर्गेश राय जिला महासचिव प्रो तकी अख्तर प्रो देवनाथ सिंह पवन यादव वीरेंदर प्रसाद सिंह अरुण कुमार सिंह रामबहादुर सिंह नीरज कुमार दिलीप कुमार साह प्रकाश कुमार सिंह बनारसी ठाकुर प्रमोद मिलिंद मनीष कुमार डॉ हरिकिशोर सिंह रामकुमार झा संजय कुमार राय कौशल सिंह कुशवाहा राजकुमार साह राजीव मिश्रा मुनेश्वर साह रामचंद्र राय फौजी बिरिया देवी डॉ ज्योति निर्मला ताराचंद मेहता मुकेश कुमार राय उमेश प्रसाद सिंह संजय सिंह शम्भू प्रसाद सिंह अमित कुमार मुन्ना छेदीलाल भरतिया शंकर साह उमाकांत राय आदि नेता शामिल है।

मेयर गौरव गोयल ने किया नालों की सफाई कार्य का निरीक्षण, कहा बरसात से पूर्व ही नालों की सफाई का कार्य पूरा कर लिया जाएगा

रुड़की। बरसात पूर्व नगर में हो रहे नाले सफाई कार्यों का निरीक्षण करते हुए मेयर गौरव गोयल ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र के सभी छोटे-बड़े नालों के सफाई कार्य को बहुत जल्द पूरा कर लिया जाएगा।उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए नगर निगम की ओर से नालों की सफाई कार्यों को प्राथमिकता के तौर पर अंजाम दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विगत अनेक वर्षों से नगर में नाले सफाई कार्यों में लापरवाही बरती गई तथा वर्षा ऋतु में इसका खामियाजा नगर के विभिन्न मोहल्लों के लोगों को भुगतना पड़ा नगर में जलभराव की समस्या तथा पानी की निकासी नहीं होने से नगर वासियों को जिन समस्याओं से गुजरना पड़ा वह दुर्भाग्यपूर्ण है।उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के आरंभ होते ही नाले सफाई कार्य युद्ध स्तर पर आरंभ कर दिया गया था।कहा कि बेहतर कोई सफाई नालों से नगर की जनता को राहत मिलेगी।सोलानीपुरम, खंजरपुर तथा आईआईटी से गुजर रहे नालों के सफाई निरीक्षण के दौरान पार्षद देवकी जोशी,भाजपा नेता सुनील साहनी, रमेश जोशी, अजय प्रधान, पूनम देवी, सफाई निरीक्षक राकेश कुमार, जगदीश कुमार आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

छिलकों के साथ खाएंगे ये फल और सब्जियां तभी मिलेंगे ये फायदे

स्वस्थ रहने के लिए ताजे फलों और हरी सब्जियों का सेवन करना बहुत जरूरी होता है। रोजाना अपनी डाइट में हरी सब्जियों और फलों को शामिल करने से हमारा शरीर हैल्दी और रोग मुक्त रहता है। मगर ज्यादातर लोग इनके छिलके उतार देते हैं। जिन छिलकों को हम कचरा समझ कर फेंक देते हैं उनमें कई सारे पौष्टिक तत्व होते हैं। आज हम आपको ऐसे फलों और सब्जियों के बारे में बताते हैं जिन्हें छिलके समेत खाने से शरीर को कई फायदे होते हैं।

1. आम
जो लोग वजन कम करना चाहते हैं उनके लिए आम का छिलका बहुत फायदेमंद है जबकि आम के पल्प में वैसा कोई असर नहीं होता। इसके छिलके में एंटीऑक्सीडेंट और ओमेगा 3 औ 6 एसिड से भरपूर होता है। इसलिए आम के छिलकों को फेंके नहीं बल्कि खाएं।

2. चीकू
चीकू में नैचुरल मिठास और पौषक तत्व होते हैं। इसके आलावा इसमें विटामिन ए, बी, सी और ई की भरपूर मात्रा होती है। बिना छिले चीकू खाने से हमें कई फायदे होते हैं।

3. सेब
ज्यादातर लोग सेब के छिलके उतार कर खाते हैं जो कि गलत है। इसके छिलको में घुलनशील फाइबर होते हैं जो शरीर में पाए जाने वाले बैड कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर लेबल को कम करने में मदद करता है।

4. अंगूर
आपको जानकर हैरानी होगी की कुछ लोग अंगूर के भी छिलके उतार कर खाते हैं। इनके छिलके में resveratrol होता है दिल के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है।

इन सब्जियों को खाएं छिलके समेत

5. आलू
आलू के छिलके में इसके पल्प से लगभग 7 गुना ज्यादा कैल्शियम और 17 गुना आयरन होता है। जब आप आलू के छिलके निकाल देते हैं तो इसके 90% तक न्यूट्रिएंट्स और फाइबर कम हो जाते हैं।

6. गाजर
गाजर के छिलको में बीटा कैरोटिन होता है जो आंखों के लिए बहुत फायदेमंद है। इसके साथ ही छिलके समेत गाजर खाने से स्किन पर तेज धूप का कोई नहीं होता।

7. खीरा
हम बड़े चाव से खीरे का छिलका उतार कर खाते हैं। मगर क्या आप जानते हैं? इसके छिलके में कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, पोटेशियम, विटामिन ए और विटामिन सी होता है। छिलके समेत खीरा खाने से हमें हैल्दी रहते हैं।

वजन तेजी से होगा कम अगर रोजाना 2 चम्मच खाएंगे यह एक चीज

मलाई खाने के फायदे : मलाई खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। मगर कई लोग सोचते हैं कि मलाई खाने से फैट बढ़ता है, जोकि गलत है। रोजाना मलाई का सेवन आपका वजन तेजी से कम करता है न की बढ़ाता है। दरअसल, मलाई में प्रोटीन और गुड फैट होता है, जिसके कारण यह वजन बढ़ने नहीं बल्कि कम करने में मदद करता है। आइए जानते हैं कि किस तरह मलाई के सेवन से आप वजन कम कर सकते हैं।

कब और कितनी मात्रा में खाएं मलाई?

मलाई से गुड फैट और गुड केलेस्ट्रॉल दोनों ही मिलता है। इससे हार्ट से जुड़ी बीमारियां भी नहीं होती। मगर मलाई सही समय और लिमिट मात्रा में ही खानी चाहिए। हर किसी को रोजाना 2 चम्मच मलाई का सेवन सुबह या दोपहर के समय करना चाहिए। रात को सोने से पहले इसका सेवन बिल्कुल भी न करें। दरअसल, मलाई में प्रोटीन होता है। रात में प्रोटीन को पचाना मुशिकल होता है क्योंकि उस वक्त बॉडी ज्यादा एक्टिव नहीं होती है। ऐसे में मलाई हमेशा सुबह या दोपहर के समय सिर्फ 2 चम्मच ही खाएं।

क्यों फायदेमंद है मलाई
मलाई में लैक्टिक फर्मेन्टेशन प्रोबायोटिक होता है, जिससे आंतों की सेहत अच्छी बनी रहती है। इतना ही नहीं, मलाई का सेवन बॉडी को डिटॉक्स भी करता है। रोजाना 2 चम्मच मलाई खाने से आप घुटनों में दर्द की समस्या से भी बचे रहते हैं। मगर किडनी की समस्या होने पर मलाई का सेवन कम ही करना चाहिए क्योंकि मलाई खाने से शरीर में यूरिक एसिड बहुत बनता है।

वजन नहीं बढ़ता
एक्सपर्ट का कहना है कि रोजाना मलाई खाने से वजन नहीं बढ़ता बल्कि कम होता है। अगर आप वर्कआउट करते हैं तो उससे पहले और बाद में एक चम्मच मलाई जरूर खाएं। इससे वजन बढ़ेगा नहीं बल्कि कम होगा और कंट्रोल में भी रहेगा। वर्कआउट करने से जो प्रोटीन लॉस होता है उसकी भरपाई भी मलाई खाने से हो जाती है।

इम्यून सिस्टम को बनाता है मजबूत
मलाई में विटामिन ए और प्रोटीन अधिक मात्रा में होता है, जिससे आपका इम्यून सिस्टम ठीक रहता है। इससे आप जल्दी बीमार नहीं होते और कई गंभीर बीमारियों से भी बचे रहते हैं। इसके अलावा मलाई खाने से शरीर का एनर्जी लेवल बढ़ जाता है और इसमें मौजूद कैल्शियम हड्डियों को भी मजबूत करता है।

मोटापे से लेकर डायबिटीज तक, हर बीमारी का काल है यह आयुर्वेदिक पानी

मेथी के दाने सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हैं। ज्यादातर लोग मेथी का सेवन सिर्फ सब्जी में छौंक लगाने के लिए करते हैं जबकि मेथी का पानी और भी ज्यादा गुणकारी है और यह आपको कई बीमारियों से बचाता है। अगर आप रोजाना सुबह खाली पेट मेथी का पानी पीना शुरू कर दें तो समझिए कि अगले कुछ ही दिनों में पेट से जुड़ी सारी दिक्कतें खत्म हो जाएंगी।

ऐसे बनाएं मेथी का पानी

मेथी का पानी बनाने के लिए एक से डेढ़ चम्मच मेथी दानों को रात में एक गिलास पानी में भिगोकर रख दें। सुबह उठकर इस पानी को अच्छे से छान लें और फिर इसे खाली पेट ही पिएं।

मेथी के पानी के फायदे

1. सर्दी-जुकाम से राहत
मेथी में एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। इसी वजह से मेथी का पानी सर्दी-जुकाम या वायरल से बचाने में बहुत सहायक है। मेथी का पानी शरीर में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करता है और संक्रामक रोगों से आपको बचाता है।

2. डायबिटीज को नियंत्रित करने में मददगार
मेथी में मौजूद गेलेक्टोमैनन नामक फाइबर खून में शूगर के अवशोषण को कम करता है। इससे शरीर का ब्लड शूगर लेवल नियंत्रित रहता है और डायबिटीज से बचाव होता है।

3. एसिडिटी में रामबाण
जिन लोगों को एसिडिटी या गैस की समस्या है उनके लिए मेथी का पानी रामबाण इलाज है। रोजाना सुबह खाली पेट एक गिलास मेथी का पानी पीने से पेट की जलन दूर होती है और अपच या एसिडिटी से तुरंत आराम मिलता है।

4. किडनी की पथरी से आराम
इसके नियमित सेवन से किडनी की पथरी में आराम मिलता है। मेथी में मौजूद तत्व पथरी को गलाने में अहम भूमिका निभाते हैं हालांकि पथरी दूर करने का यह सिर्फ एक घरेलू उपाय है। इसके अलावा डॉक्टर की मदद जरूर लें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सोनाक्षी सिन्हा ने बॉडीशेम होने पर जताई नाराजगी

ट्विटर और सोनाक्षी सिन्हा के रिश्ते लम्बे समय से खराब चल रहे हैं। जितनी ट्रोलिंग का सामना आज तक सोनाक्षी ने किया है उतना शायद किसी एक्ट्रेस ने नहीं किया। सोनाक्षी को ट्रोल करने का बहाना ट्विटर यूजर्स हमेशा ढूंढ़ते हैं। उन्होंने एक बात बोली नहीं कि लोग मजाक उड़ाने पर उतर आते हैं। और कभी-कभी तो सोनाक्षी की ट्रोलिंग का कारण भी लोगों को नहीं चाहिए होता। रविवार रात एक बार फिर सोनाक्षी सिन्हा ट्रोल्स के निशाने पर आ गईं। वजह था उनका अपने वजन के बारे में बात करना और उनके लिए फैन्स का सपोर्ट। ट्विटर पर सोनाक्षी का तो मजाक उड़ाया ही गया साथ ही उनके फैन पेजेज को भी खरी-खरी सुनाई गई। सोनाक्षी ने एक मैगजीन संग बातचीत में बताया कि कैसे उन्होंने फिल्म दबंग के लिए 30 किलो वजन घटाया था, लेकिन फिर भी लोग उनके वजन के बारे में बात करते थे। इस बात पर सोनाक्षी के फैन्स ने उन्हें सपोर्ट किया तो वहीं ट्विटर के कुछ यूजर्स ने इसे सोनाक्षी का रोना-धोना बताया। एक यूजर ने लिखा- सोनाक्षी सिन्हा अगर एक बार आपकी प्रमाणिकता खो जाए तो इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने 30 किलो वजह घटाने में कितनी मेहनत की थी। आपने अपनी इज्जत खो दी और ये सबसे खराब बात है। आपको किसी के मरने से भी फर्क नहीं पड़ता और हमें आपसे फर्क नहीं पड़ता। इस सारे वाकये में खास बात ये रही कि सोनाक्षी सिन्हा जून के महीने में ही ट्विटर को अलविदा कह चुकी हैं। खुद को मिलती नफरत और नकारात्मकता को देखते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने ट्विटर से किनारा कर लिया था और इस बात का ऐलान इंस्टाग्राम पर किया था। लोगों ने इस बात पर भी काफी चुटकी ली।

शाहरुख खान ने की पत्नी से एक रिक्वेस्ट

शाहरुख खान और गौरी खान बॉलिवुड के सबसे प्यारे कपल्स में से एक माने जाते हैं। वे जब भी बाहर निकलते हैं, अपनी अपियरेंस से लोगों का दिल जीत लेते हैं। पार्टी हो या फिर सोशल मीडिया पोस्ट्स, शाहरुख और गौरी अक्सर फैंस को कपल गोल्स देते नजर आते हैं। हाल ही में दोनों की सोशल मीडिया पर हुई बातचीत ने लोगों का ध्यान खींचा। गौरी, जो कि मशहूर इंटिरियर डिजाइनर हैं, ने इंस्टाग्राम हैंडल पर सीलिंग्स की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि घर की सीलिंग्स भी कितनी महत्वपूर्ण होती हैं। जैसे ही उन्होंने पिक्चर्स शेयर कीं, शाहरुख ने भी उस पर कॉमेंट किसा। कॉमेंट में ऐक्टर ने अपनी पत्नी से रिक्वेस्ट की कि वह उनके ऑफिस रूम की सीलिंग्स पर भी काम करें क्योंकि वह चाहते हैं कि लॉकडाउन के बाद वह फिर से काम शुरू करें तो ऑफिस अच्छा लगे। शाहरुख ने लिखा, क्या आप मेरे रेड चिलीज के ऑफिस रूम नई सीलिंग के साथ रीफर्बिश कर सकती हैं प्लीज। काम फिर से शुरू हो, उससे पहले मैं कुछ अच्छा चाहता हूं। इस पर गौरी ने रिप्लाई किया, 'हमारी टीम इस पर काम कर रही हैं सर।'

विद्या बालन ने किया फिल्म शकुंतला देवी की रिलीज डेट का ऐलान

एक्ट्रेस विद्या बालन की मोस्ट अवेटेड फिल्म का इंतजार कर रहे दर्शकों के लिए गुडन्यूज है। विद्या बालन ने फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है, ये मूवी 31 जुलाई 2020 को अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम होगी। विद्या बालन ने फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान बड़े भी मजेदार तरीके से किया। विद्या ने ह्यमून कंप्यूटर कहलाई गईं शकुंतला देवी के अंदाज में रिलीज डेट का ऐलान किया। विद्या ने मैथमैटिक्स के टफ सवाल को पूछा और उसका खुद ही आसानी से जवाब भी दे डाला। विद्या बालन का ये अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। शकुंतला देवी के एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी माइंड की कहानी को लोग 31 जुलाई को देख पाएंगे। इसके वर्ल्ड प्रीमियर के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं। फिल्म में विद्या ग्लोबली फेमस मैथमैटिक्स जीनियस शकुंतला देवी का रोल निभाएंगीं।